भा.वा.अ.शि.प -हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प -हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हिमाचल प्रदेश द्वारा सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली डीओ पत्र सं.23/06/2024- WD/IC दिनांकित 5 मार्च 2024 से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुये दिनांक 8 मार्च, 2024 को संस्थान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में डॉ स्वर्ण लता, वैज्ञानिक डी, वन संवर्धन एवं वन प्रबंधन प्रभाग मुख्य वक्ता रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ जगदीश सिंह, प्रमुख विस्तार प्रभाग भा.वा.अ.शि.प -हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने की । इस कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ओडिशा कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री के प्राध्यापकों और छात्रों (60) ने भाग लिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ स्वर्ण लता द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन के मुख्य उद्देश्य के बारे में जानकारी सांझा करने के साथ हुयी । उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उत्पत्ति, इतिहास, महत्व, थीम, भारतीय महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों, वर्तमान में समानता के लिए महिलाओं के संघर्षों एवं संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013, महिलाओं को निवेश करके प्रगति में तेजी लाने के तरीकों एवं लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को खत्म करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहल एवं सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महिलाओं की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी ।

इस अवसर पर अपने विचार रखते हुये डॉ जगदीश सिंह ने महिलाओं के अतीत और वर्तमान समय के सामाजिक स्थितियों के बारे में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने शिक्षा, कौशल, रोजगार के अवसरों में सुधार और समाज की बदलती मानसिकता के कारण महिलाओं की वर्तमान सामाजिक स्थिति के बदलते परिदृश्य के बारे में भी बात की तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहने को भी कहा ताकि वे देश के विकास में योगदान दे पायें ।

इस अवसर पर श्री विनोद कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने भी अपने विचार रखे तथा लैंगिक समावेशी कार्य वातावरण की आवश्यकता के बारे कहते हुए कहा कि भारतीय संसद ने महिलाओं के लिए 33% सीटें निर्धारित की हैं जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक बदलाव है । कार्यक्रम के अंत में डॉ जगदीश सिंह ने सभी प्रतिभागियों का कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया ।

कार्यक्रम की झलकियां

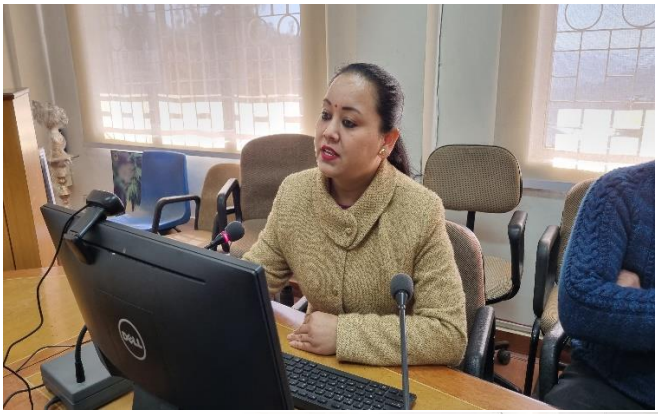

भा.वा.अ.शि.प. - हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
में आपका स्वागत है
WELCOME TO
H.C.F.R.E. - Himalayan Forest Research Institute

भा.वा.अ.शि.प. - हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
में आपका स्वागत है